प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,

आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 02.12.2025 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने राज्य के सभी मंडलों में नए दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने को दी मंजरी : अयोध्या में श्रीराम मंदिर संग्रहालय के लिए 52 एकड़ ज़मीन देने पर लगी मुहर।
2. प्रदेश कैबिनेट राज्य के नियुक्त खिलाड़ियों को दी ड्यूटो में राहत : प्रतियोगिता या प्रशिक्षण में प्रतिभाग को माना जाएगा सेवा अवधि।
3. मुख्यमंत्री और केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज वाराणसी में काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण का किया शुभारंभ : तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत सम्पर्क को मज़बूत करेगा यह आयोजन।

और

4. प्रदेश में चल रहे एसआईआर के तहत लगभग 77 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हुआ पूरा : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा– प्राथमिकता के आधार पर गणना प्रपत्र जमा कराएं मतदाता।

————————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया मजबूत होगी। बाइट.....

प्रदेश के प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के संबंध में इसमें खास तौर से जो दिव्यांग जनों का सर्वेक्षण चिन्हांकन दिव्यांग शिविरों का आयोजन सहायक उपकरणों की मरम्मत कृतिम अंग सहायक उपकरण युक्त चिन्हांकन फिटमेंट चाल उपयोग प्रशिक्षण निर्माण के वितरण दिव्यांगता की रोकथाम जागरूकता प्रारंभिक पहचान और सक्रिय हस्तक्षेप सरकारी योजनाओं का सौम्यता पूर्वक लाभ प्राप्त करने में सहायता जो हर मंडल मुख्यालय के ऊपर इस प्रकार का केंद्र बनने का एक प्रस्ताव है।

मंत्रिपरिषद ने अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर संग्रहालय के लिए 52 एकड़ ज़मीन देने पर भी मुहर लगा दी है। वित्तमंत्री ने बताया कि संग्रहालय के लिए पूर्व में सरकार ने अयोध्या में 25 एकड़ नजूल भूमि उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, जिसे अब बढ़ाकर 52 एकड़ कर दिया गया है। बाइट.....

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन कराए जाने के संबंध में इसमें टाटा एंड संस को 25 एकड़ जमीन दी गई थी 15 मार्च 2024 तो उन्होंने यह अपेक्षा की कि इसमें हमारे लिए स्थान कम पड़ेगा जो उनका बहुत वृहद दृष्टिकोण है उसके हिसाब से उन्होंने जमीन को बढ़ाए जाने के लिए आग्रह किया था तो उसी संदर्भ में अब जो नया लीज एग्रीमेंट जो है वह इस बात के लिए हुआ है कि अब 52.102 एकड़

विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय मालिक के जमा है, उसको जमीन दी जा रही है।

इसके अलावा कैबिनेट ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले राज्य के नियुक्त खिलाड़ियों को राहत दी है। इसके लिए सरकार नई प्रणाली लागू करेगी, जिसमें नियुक्त खिलाड़ियों के राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने की अवधि को सेवा अवधि ही माना जाएगा।

————————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज वाराणसी में काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में काशी तमिल संगमम का पहला संस्करण शुरू किया था, जिसने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक सांस्कृतिक सेतु की नींव रखी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष इस आयोजन ने इस सूत्र को और मज़बूत किया है। उन्होंने कहा कि बहुभाषीय होना हमारे देश की शक्ति है। यही वजह कि इस आयोजन में भाषा कभी बाधा नहों बनी। बाइट.....

दुनिया देखनी चाहिए, काशी की गर्म जोशी क्या है? काशी की रूप क्या है? मित्रों, इस पहचान को हमें सिर्फ एक इवेंट तक सीमित नहीं रखनी चाहिए। हमारी भारत में कोस–कोस पर पानी बदलता है और चार कोस पर वाणी बदलता है। हमारी बहुभाषीय आयाम हमारी भारत को एकता में बांधने

का एक रूप दिया है। पूर्वांचल से जाकर अगर पश्चिम उत्तर प्रदेश में जाओ, कम से कम 25 प्रकार की बोली का फर्क मिलता है लेकिन सभी में समानता है।भारत भारत की सभी भाषाओं में समानता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में होने वाला यह आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत को सुदृढ़ बना रहा है। बाइट.....

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम काय चतुर्थ संस्करण का आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत के उस संकल्प को सुदृढ़ करने वाला और जीवंत बनाने वाला है जो प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर देशवासियों को दिया था। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में चल रहा यह अभियान ज्ञान, साधना, सांस्कृतिक एकता और हमारी सांझा भारतीय सभ्यता को एक नई ऊंचाइयों पर स्थापित करेगा।

इससे पहले आज केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री डॉ. एल.मुरुगन ने वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित कंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। शिक्षा मंत्रालय की ओर काशी के नमो घाट पर आयोजित इस कार्यक्रम में तमिलनाडु से 1400 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। "तमिल करकलम" यानी "तमिल सीखें" की थीम पर आधारित इस आयोजन में शामिल होने के लिए कन्याकुमारी से छात्रों और अन्य प्रतिभागियों का पहला दल आज सुबह काशी पहुंचा। काशी तमिल संगमम के इस संस्करण की खास पहलों में से एक अगस्त्य अभियान है। यह यात्रा आज तेनकासी तमिलनाडु से शुरू हुई है जो 10 दिसम्बर को काशी पहुंचेगी।

———————————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

———————————

भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर वर्चुअल बैठक कर कार्य के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा समेत सभी निर्वाचन अधिकारी शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 77 प्रतिशत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इनमें 18 हज़ार 582 बीएलओ द्वारा शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपील की कि ऐसे मतदाता जिन्होंने अभी तक अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध नहीं कराया है, वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द से भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को उपलब्ध करा दें।

———————————

प्रदेश के गन्ना किसान 1 से 11 दिसंबर तक प्रदेश के पश्चिमी जनपदों में 'कृषि चौपाल' लगा रहे हैं। यह चौपाल बागपत, हापुड़, शामली और मुजफ्फरनगर में आयोजित हो रही है। कृषि चौपालों में किसानों से मिले फीडबैक राज्य सरकार तक पहुंचाए जाएंगे, जिनके आधार पर सरकार किसानों की उन्नति के लिए रोडमैप तैयार करेगी। पेश है एक रिपोर्ट.....

पहली कृषि चौपाल का आयोजन कल बागपत में किया गया, जहां किसानों ने बढ़ाए गए गन्ना मूल्य के लिए सरकार का आभार जताया। कृषि चौपाल का आयोजन बागपत के अलावा हापुड़, शामली और मुजफ्फरनगर में किया जा रहा है। इन चारों जनपदों में दो–दो कृषि चौपाल लगेंगी। कल बागपत के हिसावदा गांव में, पांच व छह दिसंबर को हापुड़, 7 व 8 को शामली और 10 व 11 दिसंबर को मुजफ्फरनगर में किसानों के लिए चौपाल लगाई जाएगी। इन कृषि चौपालों की कमान किसान ही संभालेंगे। इनमें किसानों की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। यहां हुई चर्चा के आधार पर सरकार कृषि क्षेत्र और किसानों के हितों के लिए कदम उठाएगी। समाचार कक्ष से तनवीर फातिमा।

———————————

प्रयागराज में जनवरी 2026 में आयोजित होने वाले माघ मेले को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके लिए कल संगम तट पर विधि विधान से गंगा पूजन किया गया। गंगा पूजन में प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और ज़िलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए। मंडलायुक्त ने बताया कि इस बार माघ मेले

का आयोजन 800 हेक्टेयर में का जाएगा। उन्होंने कहा कि माघ मेले की तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है और समय रहते सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

बाइट.....

इस बार सरकार की प्राथमिकता है कि हम लोग पर बहुत स्वच्छ सुगम सुलभ और एक बहुत ही सुरक्षित माघ मेला सब लोगों के लिए कर आए। इस बार हम लोगों के सात सेक्टर है और माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा जो अनुमान दिया गया है करीब 15 करोड़ लोगों के आगमन की यहां पर संभावना है। जो हम लोगों के पुराने अनुभव है उससे हम लोग सीख रहे हैं और जो नए एक्सपेरिमेंट इस बार किए जा रहे हैं हम लोग यह प्रयास कर रहे हैं कि इस बार सुगम हो यहां पर लोगों को कम से कम चलना पड़े तो यह प्रयास किया जाएगा कि सारी जो हम लोग की मेन पार्किंग है उसे हम लोग यातायात व्यवस्था सुगम रूप से उपलब्ध।

———————————

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ 10 से 13 दिसम्बर तक विशेष लोक अदालतों का आयोजन करेगा। यह लोक अदालतें दीवानी कचहरी, कलेक्ट्रेट परिसर और जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित होंगी।

(समाप्त)